कृषि विज्ञान केन्द्र, रामगढ़ में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र में खाद्य एवं पोषण विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन कर किसानों को जीवित प्रसारण द्वारा माननीय केन्द्रीय कृषि एवं कल्याण मत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं माननीय केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी के संबोधन को दिखाया गया। केन्द्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. इन्द्रजीत ने किसानों एवं आयोजन में आये मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन भारत के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं संस्थानों मे किया जा रहा है। आज किसानों को प्रोटिन युक्त प्रजाति सी.आर.धान.–310, शकरकंद की प्रजाति भूसोना जो बिटाकैरोटिन युक्त प्रजाति है के बारे में विस्तृत रूप में बताया। उन्होंने ने कहा कि हमारे किसानों के पास जो संसाधन हैं उसका समुचित प्रयोग करके जैसे– तालाब में मछली, बत्तखपालन, एवं किचेन गार्डेन में सब्जीयों के साथ किनारे–किनारे मेढ़ों पर पपीता, मुन्गा, नींबू आदि फलों के पौधों को उगाकर अपनी आमदन बढ़ा सकते हैं और स्वयं भी ताजा एवं स्वच्छ फलों एवं सब्जीयों का उपयोग करके स्वयं अपने परिवार को स्वस्थ रख सकते हैं। किसानों द्वारा पुछे गये फसलों के समस्याओं के बारे में भी बताया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अमरेन्द्र कुमार गुप्ता, सदस्य क्षेत्रीय परामर्शदात्री समिति नाबार्ड, झारखण्ड ने किसानों को खाद्य एवं पोषण विषय पर जोर देते हुए कहा कि फलों एवं सब्जीयों के उत्पादन करने से किसानों कि आमदनी बढ़ रही है निश्चित रूप से माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा उठाये गये सराहनीय कार्य जिसमें किसानों के आय को दोगुनी करने का लक्ष प्राप्त किया जा रहा है। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यो के सरहना करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा किसानों को कृषि कि नई तकनीकों की जानकारी मिल रही है जिससे किसान नई–नई तकनीकों को अपनाकर अपनी आमदनी को बढ़ाने में निरंतर प्रयासरत हैं। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में माण्डु चट्टी पचायत कि मुखिया श्रीमति फुलमति देवी ने किसानों को पोषक तत्वों से भरपुर भोजन पर बल देते कहा कि किसानों के द्वारा ही हमें पोषक तत्वों के युक्त खाद्य मिल पा रहा है जिससे हम तथा हमारे आगे कि पीढ़ी स्वस्थ एवं कुपोषण से मुक्त हो पायेगें। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. धर्मजीत खेरवार ने किसानों को जैविक खेती किस प्रकार कि जाये और उसमें कौन–कौन सी जैविक खाद का प्रयोग किया जाये इस विषय पर विस्तृत जानकारी देते हुए जैविक किटनाशी प्रयोग करने कि सलाह दी। इस आयोजन में केन्द्र के सन्नी कुमार एवं शशि कांत चौबे न केन्द्र के प्रक्षेत्र का भ्रमण कराकर केन्द्र में स्थित नई कृषि तकनीक का प्रत्यक्षण कराया। इस आयोजन में जिले के विभिन्य गॉवों से 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

दिनांक- 26 अगस्त 2021
कृषि विज्ञान केन्द्र
रामगढ़, झारखण्ड

दिनांक- 26 अगस्त 2021